## महत्वपूर्ण एवं खास

### खुद को अविवाहित बताकर फेसबुक फ्रेंड से शादी का झांसा दे किया शारीरिक शोषण, चक्रधरनगर थाने में एफआईआर

**रायगढ़।** दिनांक 12.03.2022 को थाना कोतवाली में थानाक्षेत्र की महिला लोचननगर चक्रधरनगर क्षेत्र में रहने वाले सुदीप तिर्की के विरूद्ध शादी का प्रलोभन देकर दुष्कर्म किये जाने की रिपोर्ट दर्ज कराने आयी। पीड़ित महिला द्वारा आरोपी सुदीप तिर्की द्वारा ग्राम रेगड़ा एवं अन्य स्थानों पर शारीरिक संबंध बनाना बताई, महिला का कथन लिपिबद्ध कर घटनास्थल थाना चक्रधरनगर का होने से पीड़िता का आवेदन पत्र एवं कथन थाना चक्रधरनगर भेजा गया, जहां आरोपी के विरूद्ध धारा 376 IPC के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पीड़ित महिला बताई कि वर्ष 2018 में फेसबुक के माध्यम से सुदीप तिर्की से परिचय हुआ वह मोबाईल नम्बर लिया और दोनो बात करते थे। सुदीप पसंद करने लगा शादी करने बोला और स्वयं को अविवाहित बताया था। उसके बाद दोनो साथ में घूमना फिरना किये। नवम्बर 2018 में सुदीप रेगडा रेलवे लाईन की ओर घूमने ले जाकर मना करने के बावजूद शारीरिक संबधं बनाया फिर वह कई बार शारीरिक संबधं बनाया। सुदीप तिर्की ITI का टीचर है उसका ट्रांसफर चिरमिरी कोरिया हो गया। वहां भी ले जाकर अपने रूम मे शारीरिक संबधं बनाया, जब सुदीप के पहले से शादीसुदा होने की जानकारी हुई तो सुदीप बोला कि तुम्हारे साथ ही रहूंगा पर अब साथ रखने से टालमटौल कर रहा है। दिनांक 09/03/2022 को उससे बात करने चिरमिरी पहुंची तो गई तो वहां सुदीप की पत्नी गाली गलौच धक्का मुक्की की और सुदीप तिर्की रखने से साफ इंकार कर दिया।

### कुएं में गिरे तेंदुए को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया

**धमतरी (आरएनएस)।** धमतरी रेंज के अंतर्गत कोडेगांव बी में रविवार सुबह कुएं में अचानक तेंदुआ गिर गया। जिसे वन विभाग के कर्मचारियों ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला। इस घटना से यह स्पष्ट हो गया कि अब उस क्षेत्र में भी तेंदुआ मौजूदगी है। मयंक पाण्डेय, वनमंडलाधिकारी धमतरी के मार्गदर्शन एवं टी. आर. वर्मा, उप वनमंडलाधिकारी धमतरी के निर्देशन में धमतरी के वनक्षेत्र में सतत् वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा का कार्य तथा जंगल की आग से सुरक्षा का कार्य किया जा रहा है।रविवार ग्राम कोड़ेगांव 'बी' कक्ष क्रमांक 220 से लगे हुए कुँए में वन्यप्राणी तेन्दुआ अचानक गिर गया था जिसे रेस्क्यू कर सीढ़ी के माध्यम से बाहर निकाला गया। कुँए से निकलते ही तेंदुआ जंगल की ओर भाग खड़ा हुआ। वन परिक्षेत्र अधिकारी महादेव कन्नौजे ने बताया कि रविवार सुबह 9 बजे सूचना मिली कि कुएं में तेंदुआ गिर गया है। मौके पर वन विभाग की टीम पहुंचकर सीढ़ी के माध्यम से उसे निकाला गया लगभग डेड़ वर्ष का वह तेंदुआ था। इस कार्यवाही में प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी महादेव कन्नौजे, सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी मोंगरागहन राजेश वर्मा, परिसर रक्षी सटियारा ओमकार नेताम,परिसर रक्षी हरफर हर्ष सिन्हा एवं सुरक्षा श्रमिक मौजूद थे।

### इंजीनियर युवती ने लगाई फांसी

#### मोबाइल पर बात करते करते झूली फंदे पर, जांच में जुटी पुलिस

**बिलासपुर(आरएनएस)।** शहर के एक गर्ल्स हॉस्टल में इंजीनियर युवती ने फ ांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मामला पुराना बस स्टैंड के कश्यप कॉलोनी स्थित सृष्टि गर्ल्स हॉस्टल का है। इंजीनियर युवती ने मोबाइल पर बात करते करते यह आत्मघाती कदम उठाया। पुलिस अब इस मामले की जांच में जुट गई है। युवती के मोबाइल की कॉलडिटेल खंगाला जा रहा है जिससे कि आत्महत्या का कारण पता लगाया जा सके। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना शनिवार शाम की है। पुराना बस स्टैंड के पास कश्यप कॉलोनी में सृष्टि गर्ल्स हॉस्टल में बिल्हा के बरतोरी निवासी प्रियंका कौशिक किराए पर रहती थी। वह बातौर इंजीनियर तिवारी आर्किटेक्ट के ऑफिस में काम करती थी। शनिवार को वह ऑफिस नहीं गई।

# महिलाओं के मान-सम्मान से ही होती है हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की पहचान : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

- मुख्यमंत्री ने 'छत्तीसगढ़ सरकार-नारी शक्ति के सरोकार' विषय पर की बात
- मुख्यमंत्री बघेल ने रेडियोवार्ता में रायगढ़ की बेटियों से भी की चर्चा
- छत्तीसगढ़ में बेटियों के लिए पोस्ट ग्रेजुएट तक नि:शुल्क शिक्षा की सुविधा

**रायगढ़।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आकाशवाणी से आज प्रसारित रेडियोवार्ता लोकवाणी की 27 वीं कड़ी में 'छत्तीसगढ़ सरकार-नारी शक्ति के सरोकार' विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि महिलाओं के मान सम्मान से ही हमारी सभ्यता और संस्कृति की पहचान होती है। इसे हम सभी को गहराई से समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि नारी का सम्मान करने वाला समाज ही संस्कारी समाज होता है। छत्तीसगढ़ में महिलाओं को भरपूर सम्मान दिया जा रहा है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं और बेटियां अब बड़े लक्ष्य लेकर निकल पड़ी है, जिसे आगे बढऩे से अब कोई रोक नहीं सकता।

मुख्यमंत्री बघेल ने रेडियोवार्ता में रायगढ़ की रिया सिदार, रायगढ़ की पर्वतारोही याशी जैन एवं थाई बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता टेकेश्वरी साहू सहित अन्य जिले की बेटियों से चर्चा की। उन्होंने बातचीत के दौरान कहा कि नवा छत्तीसगढ़ हमारी बेटियों की सफलता की कहानियों से गढ़ा जाएगा। मैं वचन देता हूं कि हम आप लोगों के लिए नई सुविधाएं और अवसर जुटाने की दिशा में लगातार प्रयास करते रहेंगे। छत्तीसगढ़ की बेटियां अब बड़े लक्ष्य लेकर निकल पड़ी हैं। अब उन्हें आगे बढऩे से कोई रोक नहीं सकता। शिक्षा से रोजगार तक, गांवों से शहरों तक, सरकारी नौकरी से लेकर स्वरोजगार तक, हर जगह हमने बेटियों की तरक्की के रास्ते खोल दिए हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि हमारे पुरखों की वजह से हमें ऐसा संविधान मिला है, जिसमें महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिया गया है। हमारे संस्कार और प्रयासों का ही नतीजा है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाओं का प्रतिशत, देश की अन्य विधानसभाओं की तुलना में सबसे अधिक है। पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में भी महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। भूमि और संपत्ति पर कानून के अनुसार महिलाओं को समान स्वामित्व और नियंत्रण का अधिकार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने ऐसे कई नीतिगत इंतजाम किए हैं, जिसमें महिलाओं को अचल संपत्ति पर अधिकार मिले। अचल संपत्ति का पंजीयन महिलाओं के नाम पर कराए जाने पर स्टाम्प शुल्क में 1 प्रतिशत छूट देने का प्रावधान किया गया है, जिसके कारण एक वर्ष में 50 हजार से अधिक पंजीयन हुए और 37 करोड़ रुपए से अधिक की छूट उन्हें मिली। सरकारी पदों में भर्ती के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा महिलाओं को दी गई है। महिला छात्रावास तथा आश्रमों में महिला होम गार्ड के 2 हजार 200 नए पदों का सृजन किया गया है। प्रदेश के 370 थानों में महिला हेल्प डेस्क संचालित किए जा रहे हैं। महिला हेल्पलाईन 181 का संचालन किया जा रहा है। प्रदेश के किसी भी कोने से इस टोल फ्री नंबर 181 पर फोन करके कोई भी महिला सहायता प्राप्त कर सकती है।

मैं चाहूंगा कि हमारी बहनें इस 181 नंबर को याद रखें और कोई भी तकलीफ होने पर इसकी मदद लें।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि अब हम प्रत्येक जिले में महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ का गठन करने जा रहे हैं ताकि हमारी माताओं, बहनों को पूर्ण सुरक्षा का वातावरण मिले। जिला खनिज न्यास निधि बोर्ड में ग्रामसभा सदस्य के रूप में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक जिले में महिलाओं के लिए अपना महाविद्यालय हो, इसके लिए हमने 9 जिलों में नए महिला महाविद्यालय शुरू किए हैं। हमारे प्रयासों से सरकारी महाविद्यालयों में बेटियों की संख्या बेटों से डेढ़ गुना हो गई है। छत्तीसगढ़ के इन अभूतपूर्व प्रयासों को नीति आयोग ने भी सराहा है और वर्ष 2020-21 की इंडिया-इंडेक्स रिपोर्ट में लैंगिक समानता के लिए छत्तीसगढ़ को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित संस्था छत्तीसगढ़ महिला कोष द्वारा स्व-सहायता समूहों को ऋण देने का प्रावधान है। इस संस्था के माध्यम से लगभग 39 हजार समूहों को 9 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक के ऋण दिए जा चुके हैं। महिला स्व-सहायता समूह किसी कारण से लगभग 13 करोड़ रुपए का ऋण नहीं पटा पाने के कारण डिफाल्टर की श्रेणी में आ गए थे और उनके आगे बढऩे के रास्ते बंद हो गए थे। हमने ऐसे 6 हजार 489 समूहों को संकट से निकालने का फैसला किया और उनका ऋण माफ कर दिया। इसके साथ ही महिला स्व-सहायता समूहों को 3 प्रतिशत साधारण वार्षिक ब्याज दर पर ऋण दिया जाता है। सक्षम योजना में ब्याज दर 6.5 प्रतिशत थी, जिसे हमने घटाकर 3 प्रतिशत कर दिया है। वहीं ऋण लेने की पात्रता भी दोगुनी कर दी है। इस तरह महिलाओं को अपने व्यवसाय के लिए अधिक आर्थिक सहायता देने के इंतजाम हमने किए हैं। अन्य योजनाओं में भी महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक सुविधाएं दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बेटियां शिक्षा से लेकर स्वावलंबन तक किस तरह से सरकार की योजनाओं से जुडऩा चाहती हैं, यह बिल्कुल निजी तौर पर समझने का विषय है। यदि कोई बेटी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़कर स्वरोजगार करना चाहे तो बिहान योजना है, जिसमें अभी तक 2 लाख 6 हजार 362 समूहों के माध्यम से 22 लाख 14 हजार 426 महिलाएं जुड़ चुकी हैं।

हमारी नई औद्योगिक नीति 2019-2024 में महिला स्व-सहायता समूहों, कृषि उत्पादक समूहों को औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन हेतु विशेष रूप से पात्रता दी गई है। मुझे यह कहते हुए खुशी है कि हमने 10 जिलों में 540 उत्पादक समूहों का गठन किया है, जिसमें 18 हजार 598 महिला किसानों को जोड़ा गया है। प्रदेश में तीन वर्षों में 478 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिनमें 1 हजार 167 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश हुआ है तथा इनमें 6 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। इसी तरह लघु वनोपजों के प्रसंस्करण के लिए 52 इकाईयों की स्थापना की जा चुकी है। हमने समर्थन मूल्य पर खरीदी जाने वाली वनोपजों की संख्या 7 से बढ़ाकर 65 कर दिया है। छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड के माध्यम से 121 उत्पादों का प्रसंस्करण और विक्रय हो रहा है। स्व-सहायता समूहों द्वारा भी वनोपजों की प्रोसेसिंग के माध्यम से 200 उत्पादों का विपणन किया जा रहा है। इन सब कार्यों में महिलाओं की बहुत बड़ी भागीदारी है।

हम लघु वनोपजों के संग्रहण का पारिश्रमिक, समर्थन मूल्य पर खरीदी के अलावा विक्रय का लाभांश भी संग्राहकों और स्व-सहायता समूहों को दे रहे हैं। इस भागीदारी को और आगे बढ़ाने के लिए हम सी-मार्ट की स्थापना हर शहर में कर रहे हैं। प्रदेश में अभी तक 8 हजार 48 गौठान स्थापित किए जा चुके हैं। गौठानों के माध्यम से हमने आजीविका के लिए जो प्रयास किए हैं, उसमें 9 हजार 331 महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 66 हजार से अधिक महिलाओं को जोड़ा गया है। इन समूहों ने 65 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार बहुत ही अल्प समय में कर लिया है। गोधन न्याय योजना के तहत भी 45 प्रतिशत से अधिक महिलाएं सीधे भागीदार बनी हैं। गांवों में घर-घर बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के लिए लगभग 4 हजार बीसी सखियों को जोड़ा गया है। मुझे यह कहते हुए खुशी है कि इन बीसी सखियों ने 455 करोड़ रुपए का लेनदेन किया है। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत हमने एक वर्ष में 18 करोड़ 41 लाख मानव दिवस रोजगार देकर शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति की है, जिसमें 50 प्रतिशत रोजगार महिलाओं को मिला है। छत्तीसगढ़ राज्य में हमने महिलाओं को बेहतर काम के अवसर भी दिए हैं, जिसमें वे सुपरवाइजरी काम भी कर रही हैं, जिन्हें महिला मेट या इंजीनियर दीदी के नाम से पहचाना जा रहा है। इस तरह नौकरी के अलावा अन्य तरह के रोजगार और स्वरोजगार के दरवाजे महिलाओं के लिए खोले गए हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि प्रदेश में 171 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल शुरू कर दिए गए हैं, जो सरकारी स्कूल होने के बावजूद अच्छे से अच्छे निजी स्कूल को टक्कर दे रहे हैं। इस योजना के तहत नए शिक्षा सत्र से हिन्दी माध्यम के विद्यालय भी खोले जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में बेटियों के लिए पोस्ट ग्रेजुएट तक नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सरकारी नौकरी में बेटियों के लिए 30 प्रतिशत पद आरक्षित है। अनुसूचित क्षेत्र में जिला काडर के लिए योग्यताएं शिथिल की गई हैं। अब तो हमने कनिष्ठ सेवा चयन बोर्ड गठित कर दिया है, जो 14 जिलों में स्थानीय लोगों की भर्ती सुनिश्चित कर रहा है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि बेटियों के लिए किसी भी चुनौती का सामना करना कोई बड़ी बात नहीं है। वे अपनी परिस्थिति के अनुसार पहला कदम बढ़ा सकती है और आगे चलकर मनचाही उपलब्धि भी हासिल कर सकती है। हमारी बस्तर की बेटी देश और दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी को फतह कर सकती है। हमारी बेटियां विभिन्न खेलों में अपने प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में शामिल हुई हैं। हमारी बेटियों ने अपनी टीमों में कप्तानी का अवसर भी पाया है। हमारी बेटियां आईएएस, आईपीएस जैसी बड़ी परीक्षाओं में पास होकर प्रशासन की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

## जंगल की निगरानी कर रहे वन प्रबंधन समिति के सदस्यों पर लकड़ी तस्करों ने किया जानलेवा हमला

- एक सदस्य गंभीर रूप से हुआ घायल, रायगढ़ किया गया रेफर

**जशपुर(आरएनएस)।** जशपुर जिले के फरसाबहार थाना क्षेत्र से बड़ी खबर आ रही है। जंगल की निगरानी कर रहे वन प्रबंधन समिति के सदस्यो पर लकड़ी तस्करो ने टंगिया से जानलेवा हमला किया है। एक सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया है। गंभीर स्थिति को देखते हुए रायगढ़ रेफर किया गया है।

पूरा मामला जशपुर जिले के फरसाबहार थाना क्षेत्र के धौरासाड़ गांव की है। बिती रात वन प्रबंधन समिती के सदस्य जंगल मे हो रहे अवैध कटाई की सूचना पर अपने क्षेत्र के जंगल की निगरानी हेतु भ्रमण पर निकले हुए थे। भ्रमण के दौरान समिती के सदस्यो का सामना लकड़ी तस्करो से हो गया। सभी लकडी तस्कर धौरासाड़ से लगे तुबा ग्राम पंचायत के हैं। रामेश्वर पिता मतलु, मतलु पिता विहावा, मुकेश पिता परमेश्वर, दुर्योधन पिता मतलु। नरदेव पिता रामसग़ि, द्रोणाचार्य पिता चन्द्रशेखर एवं बेहरा पिता रामेश्वर का सामना वनप्रबंधन समिति के सदस्यो से हो गई। लकड़ी तस्करी मे बाधा पहुंचा रहे वन प्रबंधन समिति के सदस्य सागर नायक पिता धनकुवंर नायक व चंद्रभोज नायक पर उक्त लकडी तस्करो ने टंगिया से सिर और चेहरे पर जानलेवा हमला कर दिया है। इस हमले से घायल दोनो सदस्यो को बिती रात मे ही फरसाबहार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद ग़भीर रूप से घायल सागर नायक को बेहतर ईलाज के लिये रायगढ़ रेफर किया गया है।

## एनटीपीसी कोरबा ग्रीनटेक फाउंडेशन द्वारा सुरक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित

**कोरबा।** सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए एनटीपीसी कोरबा को ग्रीनटेक फाउंडेशन द्वारा सुरक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 20वां वार्षिक ग्रीनटेक सुरक्षा पुरस्कार 2021 को श्रीनगर जम्मू.कश्मीर के मेयर जेनाब जुनैद अजीम मट्टू और ग्रीनटेक फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक और सीईओ कमलेश्वर शरण द्वारा प्रदान किया गया। एनटीपीसी कोरबा से गवेन्द्र शर्मा उप महाप्रबंधक सुरक्षा ने ये पुरुस्कार लिया।

सुरक्षा एनटीपीसी की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है एवं एनटीपीसी कोरबा हर सुरक्षा मानक का समुचित पालन करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। एनटीपीसी कोरबा सुरक्षित रूप से काम करने और अपनी कार्य प्रणाली को सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहती है। इसी परिणाम स्वरूप एनटीपीसी कोरबा को हाल ही में छत्तीसगढ़ सकरार द्वारा औद्योगिक स्वच्छता के लिए एक्सीलेंट अचवीवमेंट पुरस्कार एवं प्रतिष्ठित श्रम यशस्वी पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

एनटीपीसी कोरबा सुरक्षा अभियानों के माध्यम से सुरक्षा के प्रति कर्मचारियों को जागरूक करने का प्रयास करता है जिससे कर्मचारी कार्य संस्कृति एवं जीवन शैली में ओकयुपेशनल हैल्थ और सुरक्षा के एकीकरण को भी सुनिश्चित कर सकें। इस उपलब्धि पर एनटीपीसी कोरबा के कार्यकारी निदेशक बिस्वरूप बसु ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कर्मचारियों बधाई दी एवं सुरक्षा मापदण्डों का पालन करने के लिए उत्साहित किया।

## कोरबा पुलिस की अभिनव पहल: ड्यूटी शुरू करने से पहले सामूहिक रूप से करेंगे राज्यगीत का गायन

**कोरबा।** रविवार की सुबह साढ़े 10 बजे कोरबा के सभी थानों और रिजर्व पुलिस लाईन में अलग ही नजारा था। रिजर्व पुलिस लाईन और थानों में मौजूद जवानों ने जब छत्तीसगढ़ के राज्यगीत अरपा पैरी के धार... का गायन किया तो सभी लोग मंत्रमुग्ध हो उठे। दरअसल कोरबा एसपी भोजराम पटेल ने प्रतिदिन रिजर्व पुलिस लाईन और सभी थानों में सुबह गणना के समय राज्यगीत गायन के निर्देश जारी किए हैं। इस अनूठी पहल की शुरुआत रविवार से हुई जिसमें पुलिस जवानों ने अपने ड्यूटी स्थल पर एक साथ राज्य गीत गाया।

आपको बता दें कि राज्य सरकार के निर्देश पर सभी सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत छत्तीसगढ़ के राज्यगीत से ही होती है। अब कोरबा एसपी ने प्रतिदिन ड्यूटी गणना के समय राज्यगीत गायन के निर्देश जारी किए हैं। आयोजन के पहले दिन रविवार को एसपी भोजराम पटेल समेत रिजर्व पुलिस लाईन 16 थाना, 04 चौकी, 07 सहायता केंद्र के जवानों ने अपने-अपने कार्यस्थल पर राज्यगीत अरपा पैरी के धार... के गायन में शामिल हुए। इस मौके पर एसपी भोजराम पटेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य हमारी मां के समान है, ड्यूटी की शुरुआत में ही यदि मां की वंदना की जाए तो इससे अच्छी बात क्या होगी। छत्तीसगढ़ का राज्य गीत हमारे राज्य की अस्मिता का प्रतीक तो है ही साथ ही इसके गायन से बन्धुत्व, प्रेम और छत्तीसगढ़ राज्य के प्रति अगाध श्रद्धा का भाव उत्तपन्न होता है। एसपी ने बताया कि कानून व्यवस्था का पालन एवं अन्य आवश्यक ड्यूटी के दौरान उक्त आदेश प्रभावी नहीं होगा।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

**Social Justice Union**

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

**अधिकार से न्याय तक**

**आवश्यकता** इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी लकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

**उद्देश्य एवं नियुक्तियां** मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

**मुख्य बिन्दु** प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

**पीड़ित संपर्क करें** संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

**अन्य बिन्दु**
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

## कचरा की बदबू से नाराज महिलाओं ने महापौर सहित निगम अधिकारी को कचरा घर में कर दिया बंद

**कोरबा।** नगर निगम के 15 ब्लाक कालोनी के समीप मैग्जिनभाठा मणिकंचन केंद्र एसएलआरएम में पड़े कचरा से उठ रही बदबू से नाराज बस्तीवासियों ने घेराव कर दिया। सूचना मिलने पर वार्ड पार्षद व महापौर राजकिशोर प्रसाद एल्डरमैन एस मूर्ति समेत निगम अधिकारी स्थल पर पहुंच सेंटर के अंदर निरीक्षण करने गए, तब बस्तीवासियों ने मेनगेट में ताला जड़ दिया। बाद में अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि 15 दिन के भीतर कचरा हटा दिया जाएगा, तब बस्तीवासियों ने घेराव समाप्त किया।

साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड एसईसीएल की पंप हाउस व 15 ब्लाक कालोनी के बीच नगर निगम द्वारा एसएलआरएम सेंटर का निर्माण कराया गया है। कचरा की छंटाई करने के उद्देश्य से बनाए गए इस सेंटर में पिछले कुछ अरसे से कचरा जमा किया जा रहा है, जबकि कचरा फेंकने के लिए शहर के बाहर बरबसपुर में बनाया गया है। सेंटर में कचरा जमा होने से अब उसमें बदबू उठने लगी है। आसपास निवासरत लोग एक वर्ष से सेंटर से कचरा हटाने की मांग कर रहे थे, पर निगम अमला केवल आश्वासन देकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर रहा था। शनिवार को

अचानक नाराज बस्तीवासियों ने सेंटर के घेराव कर दिया और बाहर से ताला लगा दिया। इस दौरान अंदर कचरा छंटाई कर रहे कामगार फंस गए। समझाइश के बाद भी बस्तीवासियों ने ताला नहीं खोला, तब वार्ड पार्षद व महापौर राजकिशोर प्रसाद, वार्ड में निवासरत एल्डरमैन एस मूर्ति को इसकी जानकारी दी गई। महापौर राजकिशोर व मूर्ति स्थल पर पहुंचे और बस्तीवासियों के साथ चर्चा कर निगम अधिकारियों का तलब किया। अधीक्षण अभियंता अधीक्षण यंत्री एमके वर्मा, जोन कमीश्नर अखिलेश शुक्ला, स्वच्छता निरीक्षक डा संजय तिवारी, तोड़ूदस्ता प्रभारी श्रीधर बनाफर स्थल पर पहुंचे। अधिकारियों के साथ महापौर राजकिशोर व एल्डरमैन मूर्ति सेंटर के घुस कर निरीक्षण करने लगे। इसी बीच बस्तीवासियों ने बाहर मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया और नारेबाजी करने लगा। जानकारी मिलने पर सभी लोग गेट पर पहुंचे और बस्तीवासियों को बैठक कर समस्या निदान का आश्वासन दिया, पर बस्तीवासियों ने कहा कि जब तक कचरा हटाने की कार्रवाई शुरू नहीं होगी, तब तक घेराव जारी रहेगा। तदुपरांत अधीक्षण अभियंता एमके वर्मा ने आश्वस्त किया कि 15 दिवस के भीतर कचरा हटा दिया जाएगा और इसकी शुरूआत रविवार से की जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद बस्तीवासी शांत हुए और गेट का ताला खोला। महापौर को उन्होंने बताया कि एक वर्ष से अधिक समय से सेंटर से कचरा हटाने की मांग की जा रही है, पर निगम द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही। अत्यधिक कचरा होने पर अब बदबू उठने लगी है और यहां रहना दुश्वार हो गया है।